



छह कलमे

अरबी मतन, हिंदी उच्चारण और हिंदी अर्थ के साथ — बच्चों और बड़ों के लिए।

६ कलमे

چھ کلمے

1

पहला कलमा — तय्यब

پہلا کلمہ — طیب

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ مُحَمَّدٌ رَسُولُ اللَّهِ

ला इलाहा इल्लल्लाहु मुहम्मदुर-रसूलुल्लाह

अर्थ अल्लाह के सिवा कोई माबूद (पूज्य) नहीं, मुहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं।

2

दूसरा कलमा — शहादत

دوسرا کلمہ — شہادت

أَشْهَدُ أَنْ لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ وَأَشْهَدُ أَنَّ مُحَمَّدًا عَبْدُهُ وَرَسُولُهُ

अशहदु अल्ला इलाहा इल्लल्लाहु वह्दहू ला शरीका लहू व अशहदु अन्ना मुहम्मदन अब्दुहू व रसूलुहू

अर्थ मैं गवाही देता हूँ कि अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं, और मैं गवाही देता हूँ कि मुहम्मद ﷺ उसके बंदे और रसूल हैं।

3

तीसरा कलमा — तमजीद

تیسرا کلمہ — تہجد

سُبْحَانَ اللَّهِ وَالْحَمْدُ لِلَّهِ وَلَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَاللَّهُ أَكْبَرُ وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ
الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ

सुब्हानल्लाहि वल्हम्दु लिल्लाहि व ला इलाहा इल्लल्लाहु वल्लाहु अकबर, व ला हौला व ला कुव्वता इल्ला बिल्लाहिल अलिखिल अज़ीम

अर्थ अल्लाह पाक है, सब तारीफें अल्लाह ही के लिए हैं, अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, और अल्लाह सबसे बड़ा है। गुनाहों से बचने की ताक़त और नेकी करने की कुव्वत नहीं मगर अल्लाह की तरफ़ से, जो बुलंद और अज़मत वाला है।



छह कलमे

अरबी मतन, हिंदी उच्चारण और हिंदी अर्थ के साथ — बच्चों और बड़ों के लिए।

६ कलमे

چھ کلمے

4

चौथा कलमा — तौहीद

چوتھا کلمہ — توحید

لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ وَحْدَهُ لَا شَرِيكَ لَهُ، لَهُ الْمُلْكُ وَلَهُ الْحَمْدُ، يُحْيِي وَيُمِيتُ، وَهُوَ حَيٌّ لَا
يَمُوتُ أَبَدًا أَبَدًا، ذُو الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ، بِيَدِهِ الْخَيْرُ، وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ

ला इलाहा इल्लल्लाहु वह्दहु ला शरीका लहु, लहुल मुल्कु व लहुल हम्दु, युह्यी व युमीतु, व हुवा हय्युल ला यमूतु अबदन अबदा, जुल
जलालि वल इक्राम, बियदिहिल खैर, व हुवा अला कुल्लि शैइन क़दीर

अर्थ अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, वह अकेला है, उसका कोई शरीक नहीं। उसी की बादशाही है और उसी के लिए सब तारीफ़ है। वही ज़िंदगी देता है और वही मौत देता है, और वह हमेशा ज़िंदा है, उसे कभी मौत नहीं आएगी। वह बड़े जलाल और इज़्ज़त वाला है, उसी के हाथ में हर भलाई है, और वह हर चीज़ पर क़ादिर है।

5

पाँचवाँ कलमा — अस्तग़फ़ार

پانچواں کلمہ — استغفار

أَسْتَغْفِرُ اللَّهَ رَبِّي مِنْ كُلِّ ذَنْبٍ أَذْنَبْتُهُ عَمْدًا أَوْ خَطَأً سِرًّا أَوْ عَلَانِيَةً وَأَتُوبُ إِلَيْهِ مِنَ
الذَّنْبِ الَّذِي أَعْلَمُ وَمِنَ الذَّنْبِ الَّذِي لَا أَعْلَمُ، إِنَّكَ أَنْتَ عَلَّامُ الْغُيُوبِ وَسِتَّارُ الْعُيُوبِ
وَعَفَّارُ الذُّنُوبِ، وَلَا حَوْلَ وَلَا قُوَّةَ إِلَّا بِاللَّهِ الْعَلِيِّ الْعَظِيمِ

अस्तग़फ़िरुल्लाहा रब्बी मिन कुल्लि ज़म्बिन अज़नब्तुहु अमदन औ खतअन सिर्रन औ अलानियतन व अतूबु इलैहि मिनज़ज़म्बिल्लज़ी
आलमु व मिनज़ज़म्बिल्लज़ी ला आलमु, इन्नका अन्ता अल्लामुल गुयूबि व सत्तारुल उयूबि व ग़फ़ारुलज़ुनूब, व ला हौला व ला कुव्वता
इल्ला बिल्लाहिल अलियिल अज़ीम

अर्थ मैं अल्लाह से माफ़ी माँगता हूँ जो मेरा ख़त है, हर उस गुनाह से जो मैंने जान-बूझकर या भूलकर, छुपकर या खुलेआम किया, और मैं उसकी तरफ़
तौबा करता हूँ उस गुनाह से जो मुझे मालूम है और उस गुनाह से जो मुझे मालूम नहीं। बेशक तू ग़ैब की बातें जानने वाला, ऐबों को छुपाने वाला और
गुनाहों को बरख़ाने वाला है। गुनाहों से बचने की ताक़त और नेकी करने की कुव्वत नहीं मगर अल्लाह की तरफ़ से, जो बुलंद और अज़मत वाला है।



छह कलमे

अरबी मतन, हिंदी उच्चारण और हिंदी अर्थ के साथ — बच्चों और बड़ों के लिए।

६ कलमे

چھ کلمے

6

छठा कलमा — रद्दे कुफ़र

چھٹا کلمہ — رَوَکُفَر

اَللّٰهُمَّ اِنِّیْ اَعُوْذُ بِكَ مِنْ اَنْ اُشْرِكَ بِكَ شَیْئًا وَّ اَنَا اَعْلَمُ بِهِ، وَاَسْتَغْفِرُكَ لِمَا لَا اَعْلَمُ بِهِ،
تَبْتُ عَنْهُ وَتَبَرَّأْتُ مِنَ الْکُفْرِ وَالشِّرْکِ وَالْکِذْبِ وَالْغِیْبَةِ وَالْبِدْعَةِ وَالنِّمَمَةِ وَالْفَوَاحِشِ
وَالْبَهْتَانِ وَالْمَعَاصِیِ کُلِّهَا، وَاَسَلَمْتُ وَاَقُوْلُ لَا اِلٰهَ اِلَّا اللّٰهُ مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللّٰهِ

अल्लाहुम्मा इन्नी अऊजु बिका मिन अन उश्रिका बिका शैअन व अना आलमु बिही, व अस्तग़फ़िरुका लिमा ला आलमु बिही, तुब्तु अन्हु व तबरअतु मिनल कुफ़ि वशिशिकि वल किज़िब वल ग़ीबति वल बिदअति वन्नमीमति वल फ़वाहिशि वल बुह्तानि वल मआसी कुल्लिहा, व

अस्लम्तु व अकूलु ला इलाहा इल्लल्लाहु मुहम्मदुर-रसूलुल्लाह

अर्थ ऐ अल्लाह! मैं तेरी पनाह माँगता हूँ इस बात से कि मैं जान-बूझकर किसी चीज़ को तेरा शरीक बनाऊँ, और तुझसे माफ़ी माँगता हूँ उससे जो मैं नहीं जानता। मैंने उससे तौबा की, और मैं बेज़ार हुआ कुफ़र से, शिर्क से, झूठ से, ग़ीबत से, बिदअत से, चुगली से, बेहयाई के कामों से, बोहतान से और तमाम गुनाहों से। मैं इस्लाम लाया, और मैं कहता हूँ: अल्लाह के सिवा कोई माबूद नहीं, मुहम्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं।

छह कलमे बर्रे-सशीर (भारत-पाकिस्तान) के मदरसों में बुनियादी अक़ीदा सिखाने का पारंपरिक तरीका हैं। अपने उस्ताद के साथ सही तलफ़्फ़ुज़ सीखें।